Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

SA–105

B.A. (Part–III) DUE Part–I Suppl. Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए :

   (i) ढोला मारू रा दूहा के संकलनकर्ता का नाम बताइये।

   (ii) कबीर की समस्त रचनाओं का संकलन किसने किया ?

(iii) आदिकाल का आदिकाल नामकरण किसने किया ?

(iv) पृथ्वीराज रासो के रचयिता कौन हैं ?

(v) जायसी की दो प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए।

(vi) रहीम के आराध्य कौन थे ?

(vii) मानुष हौं तो वही ..... यह पंक्ति किस कवि की है ?

(viii) विद्यापति को और किन-किन नामों से जाना जाता है ?

(ix) भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराएँ कौन-कौनसी हैं ?

(x) रैदास का वास्तविक नाम क्या था ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

नोट :– निम्नलिखित व्याख्याओं में से किन्हीं **पाँच** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। उत्तर **200** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

2. कुट्टिल केस सुदेस, पौहप रचियत पिक्क सद।

कमलगंध वयसंध हंसगति चलत मन्द-मन्द।

सेत वस्त्र सोहे शरीर, नष स्वाति बुन्द जस।

भ्रमर भँवहि भुललहिं, सुभाव मकरन्द बास रस।

नैन निरषि सुष पाय सुक, यह सुदिन मूरति रचित।

उमा प्रसाद हर हेरियत, मिलहिं राज प्रथिराज जिय।

3. बाबा म देस मारूवाँ वर कूआँरि रहेसि।

हाथि कचोव्वउ सिरि धड़ऊ, सींचती य मरेसि॥

मारू थाँकई देसड़ई, एक न भाजई रिड्ड।

ऊचाव्वउक अवसरणउ, कइ फाकउ कइ तिड्ड॥

जिण भई पन्नग पीयणा, कयर काँटाव्वा रूँख।

आके फोगे छाँइड़ी, हूँछाँ भाँजह भूख॥

4. अपनी छवि बनाई के, मैं तो पी के पास गई।

जब देखि छवि पीहू की, सो अपनी भूल गई॥

आ साजन मोरे नयनन में, सो पलक ढाँप तोहे दूँ।

न मैं देखूँ औरन को और न तोहे देखन दूँ॥

खुसरो रैन सुहाग की, जागी पी के संग।

तन मेरो मन पियो को, दोउ भये इक रंग॥

5. मान सरोदक वरनौं काहा। भरा समुद अस अति अबगाहा॥

पानि मोति अस निरमल तासू। अमृत आनि कपूर सुवासू॥

लंकदीप कै सिला अनाई। बाँधा सरवर घाट बनाई॥

खँड-खँड सीढ़ी भई गरेरी। उतरहिं चढ़हिं लोग चहुँ फेरि॥

फूला कँवल रहा होई राता। सहस-सहस पखुरिंन कर छाता॥

उलथहिं सीप मोति उतराहिं। चुगहिं हंस औ केलि कराहीं॥

खनि पतार पानी तँह काढ़ा। छीर समुद निकसा हुत बाढ़ा॥

ऊपर पाल चहूँ दिसि, अमृत फल सब रूख।

देखि रूप सरवर कै, गै पियास औ भूख॥

6. केसव! कहि न जाइ का कहिये

देखत तव रचना बिचित्र हरि! समुझि मन हिं मन रहिये॥1॥

सून्य भीति पर चित्र, रंग नहीं, तनु बिनु लिखा चितेरे

धोये मिटई न मरइ भीति, दुख पाइप एहि तनु हेरे॥2॥

रबिकर-नीर बसै अति दारुन, मकर रूप तेहि माहिं

बदनहीन सो ग्रसै चराचर, पान करन जे जाहि॥3॥

कोऊ कह सत्य, झूठ केह कोउ, जुगल प्रबल कोउ मानै

तुलसीदास परिहरै तीन भ्रम, सो आपन पहिचाने॥4॥

7. अमर बेलि बिनु मूल की, प्रतिपालत है ताहि।

रहिमन ऐसे प्रभुहिं तजि, खोजत फिरिए काहि॥

अरज गरज मानै नहिं, रहिमन ए जन चारि।

रिनिया, राजा, माँगता, काम आतुरी नारि॥

आदर घटै नरेस ढिंग, बसै रहे कछु नाहिं।

जो रहीम कोटिन मिले, धिंग जीवन जग माहिं॥

8. अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी।

प्रभु जी तुम चन्दन हम पानी, जाकी अंग-अंग वास समानी

प्रभु जी तुम धन बन हम मोरा, जैसे चितवन चंद चकोरा॥

प्रभु जी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोत जरै दिन राती।

प्रभु जी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहि मिलत सुहागा

प्रभु जी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भगति करै रैदासा॥

खण्ड–स प्रत्येक 20

नोट :– निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **500** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

9. अमीर खुसरो की काव्य भाषा पर अपने तार्किक विचार व्यक्त कीजिए।

10. 'रहीम नीति के कवि हैं।' सिद्ध कीजिए।

11. आदिकाल के नामकरण विमर्श पर अपने युक्तियुक्त विचार प्रकट कीजिए।

12. काव्यगुण कितने हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए।